वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 332 | सोमवार 1 अप्रैल 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राजस्थान-गुजरात पुलिस चलाएगी नशा तस्करों के खिलाफ ऑपरेशन

दोनों राज्यों के डीजीपी ने बैठकर बनाया प्लान, बॉर्डर पर होगी सख्त मॉनिटरिंग

जयपुर. कासं। लोकसभा चुनाव को देखते हुए गुजरात और राजस्थान के डीजीपी ने शराब और ड्रग माफिया के खिलाफ एक साथ ऑपरेशन चलाने की रणनीति बनाई है। गुजरात के डीजीपी विकास सहाय और राजस्थान के डीजीपी उत्कल रंजन साहू की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक हो चुकी है। इसमें दोनों राज्यों के पुलिस अधिकारियों ने लोकसभा चुनाव को देखते हुए अपने-अपने राज्यों के वांछित अपराधियों की सूची एक-दूसरे से साझा की है। इस बैठक में शराब एवं ड्रग माफिया और उनके गिरोह की पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का निर्णय लिया गया है। गुजरात के डीजीपी विकास सहाय और राजस्थान के डीजीपी साहू ने दोनों राज्यों की सीमा पर स्थित जिलों में सख्त नाकाबंदी करने, पर्याप्त संख्या में चेक पोस्ट लगाने, शराब के गोदामों को चेक करने और गाड़ियों की चेकिंग करते हुए अवैध शराब, अवैध नकदी एवं अवैध हथियारों के मूवमेंट पर सख्ती से रोक लगाने के लिए आवश्यक सूचनाओं का आदान प्रदान करते पर सहमति जताई है। **महत्वपूर्ण दिनों में बॉर्डर पर होगी सख्त मॉनिटरिंग:** बैठक के दौरान लोकसभा चुनाव के लिए राजस्थान में 19 अप्रैल एवं 26 अप्रैल को होने वाली वोटिंग और गुजरात में 7 मई को होने वाली वोटिंग के दिन और इसके आस-पास के दिनों में दोनों राज्यों की पुलिस द्वारा बॉर्डर पर सख्त नाकाबंदी करने पर बात हुई। इस नाकेबंदी के दौरान दोनों राज्यों की पुलिस एक दूसरे को सहयोग करेगी। वाहन की जानकारी से लेकर बदमाशों का फीडबैक ऑनलाइन दिया जाएगा।

मूक बधिरों के साथ खेली गई ब्रज की फूलों की होली

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजधानी जयपुर में मूक बधिरों के साथ ब्रज की फूलों की होली खेली गई। राजस्थान स्थापना दिवस पर नुपुर संस्थान द्वारा आयोजित फाग महोत्सव का आयोजन किया गया। इस वर्ष होने वाले फाग महोत्सव में ब्राह्मण के पंच रत्नों में से जल और वायु के महत्व को संस्थान के संरक्षक धीरज पटेल ने बताया कि वर्तमान में हो रही जल की कमी को ध्यान में रखते हुए हमें पुष्प होली का चलन प्रारंभ करना होगा। संस्थान के अध्यक्ष मनोज भारद्वाज के द्वारा मूक बधिर से जुड़ी समस्याओं और उसके निवारण के लिए उन्हें लाइव सॉल्यूशन का क्यूआर कोड का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य मूक बधिर जन को होने वाली समस्याओं, कानूनी न्यायिक समस्याओं, रोजगार दिलवाने के प्रयास, समाज में समानता के अधिकार के लिए प्रयास, आदि को जानने का आम जन तक पहुंचने का प्रयास किया जाना हैं। कार्यक्रम में आईएएस मनोज शर्मा, सुनील शर्मा व अन्य उपस्थित रहे।

बुकरू फेस्टिवल ने बूस्ट किया बच्चों का क्रिएटिविटी लेवल

जेकेके में चिल्ड्रन लिटरेचर फेस्टिवल का समापन, एक्सपर्ट ने विभिन्न विषयों पर किया गाइड

जयपुर. कासं

'इतनी रंगों भरी इनकी दुनिया है क्यों, सोचो तो, सोचो ना', जवाहर कला केन्द्र में कला संसार के अंतर्गत आयोजित दो दिवसीय बुकरू चिल्ड्रन लिटरेचर फेस्टिवल में पेरेंट्स को बच्चों की सतरंगी दुनिया से जुड़े इस सवाल का हल मिल गया। यहां एक्सपर्ट्स के सेशन में बच्चों को क्रिएटिविटी का डोल मिला। बच्चों की क्रिएटिविटी को बूस्ट करने वाले बुकरू फेस्टिवल का समापन हुआ। बच्चों ने दो दिन स्टोरी टेलिंग, वर्कशॉप, नाटक, डूडल वॉल, क्राफ्ट मेकिंग समेत अन्य रचनात्मक गतिविधियों के सेशन में हिस्सा लिया। ये सेशन बच्चों की दुनिया का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। बुक फेयर में उन्होंने अपनी पसंदीदा किताबें भी खरीदी। कुछ सेशन बच्चों के साथ-साथ बड़ों के लिए भी बड़े रोमांचक रहे। बुकरू में देशभर के 27 एक्सपर्ट्स ने 50 सेशन लिए। बच्चों में एक भरपूर उत्साह देखने को मिला। कहानी कुंड में कमल काबुलीवाला, शिवानी कानोडिया, विक्रमजीत सिंह रूपराई, दीपा किरण, स्वेचा प्रसाद और अभिषेक मुद्गल ने अलग-अलग कहानियां सुनाई। स्टूडियो में गायत्री, नंदनी नैय्यर, वसुंधरा बहुगुणा, लिकला और ऑडिटोरियम में ममता नैनी, दीपा अग्रवाल ने सेशन लिए। अभिषेक मुद्गल के निर्देशन में हुए नाटक तिन तिगाड़ा काम बिगाड़ा ने खूब गुदगुदाते हुए समाज में प्रचलित गलत धारणाओं का खंडन किया।

पिंकसिटी प्रेस क्लब के चुनाव 2024- 2025 संपन्न

अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह राठौड़ (बिल्लू बन्ना), महासचिव योगेंद्र पंचोली बने

जयपुर. शाबाश इंडिया। पिंकसिटी प्रेस क्लब के चुनाव 2024- 2025 के 29 मार्च 2024 को संपन्न हुए थे। आज मतगणना संपन्न होने के पश्चात विजेता प्रत्याशियों की घोषणा हुई जिसमें अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह राठौड़ (बिल्लू बन्ना) उपाध्यक्ष विमल सिंह तंवर, महासचिव योगेंद्र पंचोली, कोषाध्यक्ष गिर्राज गुर्जर और कार्यकारिणी सदस्यों के लिए अनीता शर्मा, पुष्पेंद्र सिंह राजावत, सत्य पारीक, संजय गौतम, नमोनारायण अवस्थी, शालिनी श्रीवास्तव, सिद्धार्थ उपाध्याय विजेता घोषित हुए। पिंकसिटी प्रेस क्लब, जयपुर के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों और कार्यकारिणी सदस्यों को बहुत - बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं। आशा करते हैं कि आपके नेतृत्व में जयपुर के सभी वरिष्ठ पत्रकारों को ताकत एवं ऊर्जा मिलेगी। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों एवं सदस्यों को बहुत बहुत शुभकामनाएं।

बच्चे हो रहे हैं धार्मिक संस्कारों से ओत-प्रोत

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। स्थानीय जैन समाज के छोटे-छोटे बच्चे सप्ताह के हर रविवार को प्रातः मंदिरों में अष्ट द्रव्यों से पूजन कर धार्मिक संस्कारों से ओत-प्रोत हो रहे हैं। रविवार को जैन समाज के छोटे-छोटे बच्चों को आदिनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर में नवनीत एवं नुपुर बाकलीवाल व संगीता पाटनी, निधि जमोरिया, सोनू सोनी, बिना गदिया आदि ने अष्ट द्रव्यों से पूजन कराकर उन्हें धार्मिक संस्कारों की शिक्षा प्रदान की। पूजन कर धार्मिक शिक्षा प्राप्त करते हुए बच्चे धार्मिक संस्कार गढ़ रहे हैं।

द ड्रीम वेलफेयर सोसाइटी द्वारा महिलाओ को स्वावलंबी बनाने के लिए टूलकिट सिलाई मशीन का वितरण किया गया

जयपुर. शाबाश इंडिया। द ड्रीम वेलफेयर सोसाइटी नकुल पथ जयपुर के द्वारा आज सवाई माधोपुर के 50 महिला आर्टिजंस को हैंड एंब्रॉयडरी की टूल किट का वितरण वस्त्र मंत्रालय भारत सरकार के डी सी हैंडीक्राफ्ट्स के सहयोग से किया गया। इस अवसर पर आशीष जैन ने बताया की महिलाए हैंड एंब्रॉयडरी के माध्यम से स्वावलंबी बने और अपने घर पर ही सिलाई और एंब्रॉयडरी के कार्य के द्वारा स्वरोजगार प्राप्त करे। समिति के उपाध्यक्ष तनिषा खंडेलवाल ने बताया कि समिति ग्रामीण क्षेत्र में महिलाओं को स्वरोजगार प्रदान करने स्किल डेवलपमेंट करने के लिए प्रशिक्षण प्रदान करने के कार्य करती है। पूर्व में टोंक जिले में भी एक स्किल डेवलपमेंट का ट्रेनिंग प्रोग्राम आयोजित किया गया था। जिससे वहा के आर्टिजन अच्छे तरह से प्रोडक्ट बना रहे है इस अवसर पर हैंडीक्राफ्ट ऑफिस से पधारे सोरभ जिंदल ने बताया कि हैंडीक्राफ्ट के क्षेत्र में लोगो को रोजगार और आत्मनिर्भर बनाने के लिय विभाग के द्वारा कार्य किए जाते है। मास्टर क्राफ्ट पर्सन रितिक ने बताया कि किस प्रकार टूलकिट का उपयोग किया जाता है और केसे अपनी आजीविका बडा सकते है। इस अवसर पर प्रदीप मोथा, राजू माली, आदि उपस्थित रहे।

तीर्थंकर ग्रुप व सिटिजन क्लब की धार्मिक यात्रा संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप तीर्थंकर व सिटिजन यात्रा क्लब जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय धार्मिक यात्रा का आज आयोजन हुआ। इसमें दुगार्पुरा जैन मंदिरजी के मंत्री राजेन्द्र काला - शीला काला, डां.एम.एल जैन मणि- डां शान्ति जैन मणि, कैलाश-बीना, श्रीमति सुमति अजमेरा, लक्ष्मी, ललिता सौगाणी, सुशीला काला, कैलाश सौगानी, विजयलक्ष्मी (बेला), पुष्पा गंगवाल, आशा गर्ग ,मैना बडज्याता, पुष्पा मालपुरा,बीना डिग्गीवाली, किशन जैन , सुभाष बाकलीवाल व श्रीमति सुरबाला ने भाग लिया व पुण्यार्जन किया। सभी सदस्य सबसे पहले श्री चन्द्र प्रभ दिगम्बर जैन मंदिर दुगार्पुरा पर एकत्रित होकर अभिषेक व शांतिधारा देखकर रवाना हुये व वंहा से सीधे अम्बाबाडी में आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर पहुंचकर दर्शन किये व बाहर बनी चरण छत्री के बारे में डां शान्ति जैन मणि ने जानकारी दी। यंहा से मुरलीपुरा के कांच के अतिसुन्दर मंदिरजी में अभिषेक देखा,यंहा मंदिर जी के मंत्री व दिगंबर जैन सोशल ग्रुप वीर के अध्यक्ष नीरज जैन ने सभी दर्शनार्थियों का स्वागत किया। श्रीमति आशा गर्ग ने सभी को फलाहार करवाया।झोटवाडा में पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर मे व पटेल नगर के अतिप्राचीन बने विशाल कांच के चन्द्र प्रभ दिगम्बर जैन मंदिर के दर्शन कर वंहा से वैशाली स्थित नेमीसागर कालोनी के नेमीनाथ भगवान के मंदिरजी में दर्शन किये। इसके बाद वैशाली के भगवान महावीर दिगम्बर जैन मंदिर के पंचकल्याण में पहुंचे जो आचार्य सुनिलसागर जी के संघ के सानिध्य में हो रहा है। वहां भगवान के अहार की क्रियायें देखी। पंचकल्याण की व्यवस्थायें अतिसुन्दर थी।वंहा से दर्शन समाप्त कर दुगार्पुरा आ गये। तीर्थंकर ग्रुप के अध्यक्ष व सिटिजन यात्रा क्लब के संयोजक डां.एम.एल जैन 'मणि' ने सभी दर्शनार्थियों का आभार व्यक्त किया।

ये दुनिया एक रंगमंच ही तो है...

उदयपुर के समर्पित रंगकर्मियों की जुबां से...

उदयपुर. शाबाश इंडिया

समय के साथ आप भले ही रंगमंच को छोड़ दें, मगर रंगमंच आपको कभी नहीं छोड़ता। आपकी जिंदगी के हर पहलू में, आपके सोचने-समझने के तरीके में, आपकी हर बात, हर काम में रंगमंच झलकता है। सदियों पहले भरत मुनि ने नाट्यशास्त्र की रचना कर शायद इसीलिए मनुष्य को यह सौगात दी, ताकि उसका जीवन नीरस न हो और रंगमंच के इन रंगों से, एक अभिनेता अपनी ज़िंदगी के साथ, औरों का जीवन भी गुलजार करता रहे। आइए इस अंतिम पड़ाव में मिलते हैं मंच के कुछ ऐसे ही रंगरेजो से....

अमित व्यास (नाट्य विधा प्रमुख, संस्कार भारती, उदयपुर महानगर ईकाई)

स्कूली समय से मेरा जुड़ाव रंगमंच से हुआ, जब मुझे एक नाटक में अभिनय करने के लिए कहा गया। 2006 में मैं शहर में काम कर रहे रंगकर्मियों के संपर्क में आया और मेरी ये रंगयात्रा शुरू हुई जो आज भी अनवरत है। इस लंबे समय में मुझे कई नाटकों में हिस्सा लेने का अवसर मिला, कभी बैक स्टेज, तो कभी अभिनेता के तौर पर, इस रंगयात्रा में गुरुदेव शिवराज सोनवाल जी ने अभिनय की बारीकियां समझाईं, जिससे अभिनय, दिनोंदिन बेहतर होता गया। जिस कारण कुछ अच्छे कि रदार करने का भी अवसर प्राप्त हुआ। रंगमंच से मुझे जो आत्मविश्वास मिला है, वो अद्भुत है। रंगमंच से जुड़ी प्रस्तुतियां इंसान को जीवन के ढेर सारे रंगों में भिगोकर निखार देती हैं। रंगमंच जीवन के विविध रंगों को मंच पर प्रस्तुत करने की जीवंत विधा है, रंगमंच में नृत्य, संगीत, चित्र, अभिनय सहित समस्त कलाओं और विभिन्न प्रकार के कौशलों का समावेश होता है। हम अपने जीवन में भी कई कौशल, रंगकर्म के माध्यम से सीखते हैं। इसलिए अगर छोटी-सी नाटिका में भी हिस्सेदारी का अवसर मिले, तो उसे जरूर स्वीकार करना चाहिए। रंगमंच अवसाद से कहीं दूर ले जाकर, सकारात्मक ऊर्जा, अच्छी जीवन शैली और अनुशासन के महत्व से आपको रूबरू कराता है।

शिबली खान (रंगकर्मी एवं व्यवसायी)

जब भी कोई लेखक फिल्म लिखता है तो कहानी में इमोशन, कॉमेडी, एक्शन, ट्रेजेडी सब कुछ डालता है....असल जिंदगी में ये सारे रंगमंच से ही आए हैं... विद्यालयी शिक्षा पूरी होने के बाद थिएटर में दिलचस्पी जागी। एक नुक्कड़ नाटक से थिएटर करना शुरू किया, वो यात्रा आगे बढ़ती गयी और कई पात्र निभाने के बाद अब भी जारी है। थिएटर की खूबसूरती ये है कि ये एक परफार्मिंग आर्ट है। परफॉर्मिंग आर्ट्स का जुड़ाव प्रकृति से वैसे ही है जैसे हमारे तन-मन, भावनाओं और आत्मा के साथ है। परफॉर्मिंग आर्ट्स के साथ काम करके मैंने यह जाना है कि जीवन में सामंजस्य कैसे बिठाना है। परफॉर्मिंग आर्ट्स हमारे अस्तित्व के सभी पहलुओं-शरीर, मन, भावनाओं व रचनात्मकता पर काम करती है। ये सभी हमें शारीरिक रूप से चुस्त-दुरुस्त रहने, मानसिक रूप से फोकस व बैलेंस रखने और हमारी क्रिएटिविटी और इमोशन को जोड़े रखने में सहायता करते हैं।

सचिन भंडारी (रंगकर्मी एवं मेडिकल प्रैक्टिशनर)

अगर किसी एक नाटक में आपकी भूमिका को वाहवाही मिले तो थिएटर का नशा आपके सिर चढ़ कर बोलने लगेगा। यहां बात पैसों की नहीं, बल्कि रोमांच की है। स्टेज पर पहुंचने के बाद आपका आत्मविश्वास ही सबसे बड़ा साथी है। वहां दूसरा कोई आपकी मदद नहीं कर सकता। लेकिन अगर एक सही गुरु के आशीर्वाद और उनके बताए गए मार्ग पर चलेंगे, तो सारा प्रोसेस एकदम सरल और रोमांचक हो जाता हैं। मैं अपने आप को बड़ा सौभाग्यशाली मानता हूं कि मुझे उदयपुर में रहते हुए मौलिक के फाउंडर और बेहतरीन थिएटर गुरु श्री शिवराज सोनवाल से अभिनय की जो बारिकि यां सीखीं, वो मुझे मुम्बई की चकाचौंध वाले नामी लोगों के भी सीखने को नहीं मिलीं। मेरा माना है कि जिसे एक अच्छा अभिनेता बनने के लिए, थिएटर करना बेहद जरूरी है।

रवि सेन (रंगकर्मी, बैंकर, मार्शल आर्टिस्ट)

कहते हैं अच्छा अभिनेता होने के लिए आपको अच्छा इंसान होना भी उतना ही जरूरी है। जिस किसी ने भी रंगमंच से अपना नाता चाहे कुछ दिन, चाहे कुछ हफ्ते या कुछ महीनों के लिए भी जोड़ा है, वो आदमी अपने जीवन में कभी कोई अनुचित कार्य नहीं कर सकता, रंगमंच आपको इतना संजीदा बना देता है। रंगमंच को यदि आध्यात्मिक दृष्टि से देखें तो हमारी भौतिक देह के सात चक्रों को जागृत करने हेतु तरह-तरह के ज्ञान अभ्यास हमारे आदि गुरुओं और आदि योगियों ने बताएं हैं और रंगमंच का प्रभाव हमारे भौतिक देह तक सीमित न होकर हमारे सुषुप्त चक्र को उद्वेलित करता है। और जब यह घटना घटती है, तब आप अपने भौतिक शरीर से ऊपर उठकर एक चैतन्यता की ओर प्रविष्ट कर जाते हैं।

जतिन भारवानी (रंगकर्मी एवं एडवोकेट)

जतिन भारवानी– रंगकर्मी एवं क्रिमिनल लॉयर– क्यों करना चाहते हो थिएटर? इस सवाल के साथ मुझे रंगमंच की दुनिया में दाखिला मिला। उस समय मेरे बालक दिमाग ने जवाब दिया ''अच्छा लगता है...इसलिए करना चाहता हूं।'' एक दो लोग स्टेज पर झाड़ू

लगा रहे थे, जो मेरे हम उम्र थे। कुछ सीनियर्स कोने में बैठे गीत और कविताएं सुना रहे थे। ऐसा लग रहा था जैसे मेरा प्रवेश किसी दूसरी दुनिया में हो गया है। मेरा उत्साहित मन घर पहुंचकर अगले दिन थिएटर क्लासेज जाने की तैयारी करने लगा। कुछ दिन बीते और मैं भी उन लोगों की तरह कभी स्टेज पर झाड़ू लगता, कभी बाहर बैठा प्रॉम्पटिंग करता तो कभी मंडली के साथ सुर मिलाता। दरअसल इस रंगमंच की दुनिया को जानने का सफर मैंने खुद को जानने से शुरू किया। जब मेरे गुरु हमसे हमिंग करवाते या सांस पर पकड़ बनाए रखने

चाहे आप दुनिया के किसी भी कोने से हों, अगर आप कला को समर्पित हैं, तो दुनिया बदल सकते हैं...

के लिए पेट से बोलने जैसे कई पूर्वाभ्यास करवाते, तो मैं अपने शरीर के अंगो को महसूस करता। रोज नए कि रदार और कि ताबे मुझे खुद से जोड़तीं। पहले मैं खुद से जुड़ा, फिर धीरे-धीरे इन कि ताबों ने मुझे दुनिया से जोड़ा। कुछ एक से चेहरे मैं हमेशा नाटक के अंत में देखता था, जो नाटक देखने आए होते थे। देखते-देखते उनसे एक रिश्ता–सा बन गया। पहले मैं लोगों से जुड़ा, फिर लोग मुझसे जुड़े। आस–पास के अच्छे कलाकारों को रोजी रोटी के लिए थियेटर छोड़ता भी देखा। अंदर एक टीस चलती थी छोटे शहरों के एमेच्योर थिएटर ग्रुप्स को देखकर। दो साल खूब जमकर निंदा की, उन निर्देशकों और सत्ताधारियो की, जिन्होंने थिएटर और थिएटर में आने वाले बच्चो को बर्बाद किया। फिर जाकर कहीं खुद का काम शुरू किया। पर सवाल आज भी वही है, बस इसके मायने बदल गए है, कि थिएटर क्यों करना है? और जवाब आज भी वही है। 'क्योंकि अच्छा लगता है।' चाहे आप दुनिया के किसी भी कोने से हों, अगर आप कला को समर्पित हैं, तो दुनिया बदल सकते हैं।

ओमपाल सीलन,
रंगकर्मी एवं पत्रकार,
उदयपुर।

वेद ज्ञान

जीवन में संगठन का महत्व

मनुष्य के जीवन में संगठन का बड़ा महत्व है। अकेला मनुष्य शक्तिहीन है, जबकि संगठित होने पर उसमें शक्ति आ जाती है। संगठन की शक्ति से मनुष्य बड़े-बड़े कार्य भी आसानी से कर सकता है। संगठन में ही मनुष्य की सभी समस्याओं का हल है। जो परिवार और समाज संगठित होता है वहां हमेशा खुशियां और शांति बनी रहती है और ऐसा देश तरक्की के नित नए सोपान तय करता है। इसके विपरीत जो परिवार और समाज असंगठित होता है वहां आए दिन किसी न किसी बात पर कलह होती रहती है जिससे वहां हमेशा अशांति का माहौल बना रखता है। संगठित परिवार, समाज और देश का कोई भी दुश्मन कुछ नहीं बिगाड़ सकता, जबकि असंगठित होने पर दुश्मन जब चाहे आप पर हावी हो सकता है। संगठन का प्रत्येक क्षेत्र में विशेष महत्व होता है, जबकि बिखराव किसी भी क्षेत्र में अच्छा नहीं होता है। संगठन का मार्ग ही मनुष्य की विजय का मार्ग है। यदि मनुष्य किसी गलत उद्देश्य के लिए संगठित हो रहा है तो ऐसा संगठन अभिशाप है, जबकि किसी अच्छे कार्य के लिए संगठन वरदान साबित होता है। प्रत्येक धर्म ग्रंथ संगठन और एकता का संदेश देते हैं। कोई भी धर्म आपस में बैर करना नहीं सिखाता। सभी धर्मों में कहा गया है कि मनुष्य को परस्पर प्रेमपूर्वक वार्तालाप करना चाहिए। मनुष्य जब एकमत होकर कार्य करता है तो संपन्नता और प्रगति को प्राप्त करता है। संगठन में प्रत्येक व्यक्ति का विशेष महत्व होता है इसलिए जब मनुष्य संगठित होकर कोई कार्य करता है तो उसके परिणाम में विविधता देखने को मिलती है। जिस तरह प्रत्येक फूल अपनी-अपनी विशेषता और विविधता से किसी बगीचे को सुंदर व आकर्षित बना देते हैं उसी तरह मनुष्य भी अपनी-अपनी विशेषता और योग्यता से किसी भी कार्य को नया आयाम प्रदान कर सकते हैं। यह भी संभव नहीं है कि किसी विषय पर सभी व्यक्तियों का मत एक जैसा ही हो, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति किसी विषय या समस्या को अपने नजरिये से ही देखता है और इसी आधार पर उसका समाधान भी खोजता है, लेकिन जब बात संगठन की आती है तब मनुष्य को वही करना चाहिए जिससे ज्यादा से ज्यादा लोगों का भला हो।

संपादकीय

शोहरत बटोरने के लिए नियम तोड़ रहे लोग

जबसे मोबाइल फोन संवाद से अधिक मनोरंजन का बड़ा उपकरण बनता गया और यूट्यूब जैसे मंचों पर हर किसी को अपनी रचनात्मक गतिविधियां परोसने की सुविधा प्राप्त हुई है, तबसे दुनिया भर में लाखों-लाख लोग बिना कुछ सोचे-समझे केवल शोहरत बटोरने या कुछ कमाई करने के लोभ में अनावश्यक सामग्री परोसने लगे हैं। हालांकि यूट्यूब जैसे मंचों ने लोगों को बिना कोई शुल्क लिए गीत-संगीत, नृत्य-नाट्य आदि

की प्रस्तुतियां परोसने की सुविधा उपलब्ध कराई है, तो इसका यह अर्थ नहीं कि सामग्री को लेकर उनका कोई नियम-कायदा नहीं है। मगर बहुत सारे लोग उन नियम-कायदों का ध्यान नहीं रखते और अक्सर अश्लील मानी जाने या दूसरों को आहत करने, जानबूझ कर किसी को अपमानित करने वाली सामग्री डालते रहते हैं। हालांकि नियम-कायदों के उल्लंघन पर यूट्यूब का तंत्र खुद ऐसी सामग्री की छंटाई कर देता है, फिर भी लोग बाज नहीं आते। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि यूट्यूब ने दिसंबर के बाद के तीन महीनों में दुनिया भर में नब्बे लाख ऐसे वीडियो हटाए, जो उसके नियम-कायदों का उल्लंघन करते थे। उनमें सबसे अधिक भारत से परोसे गए वीडियो थे। ऐसे वीडियो की संख्या बाईस लाख से ऊपर थी। दरअसल, मोबाइल के रूप में लोगों को एक ऐसा

उपकरण हाथ लग गया है, जिसके जरिए बहुत आसानी से वीडियो बनाए और संपादित कर प्रसारित किए जा सकते हैं। अनेक अध्ययनों से जाहिर हो चुका है कि भारत बड़ी आबादी वाला देश होने और तेजी से इंटरनेट उपभोक्ताओं की बढ़ती संख्या के चलते मनोरंजन के नाम पर न केवल आपत्तिजनक और अविवेकपूर्ण सामग्री का उत्पादन बढ़ा है, बल्कि उनके उपभोक्ता भी बढ़ रहे हैं। मगर कोई भी स्वस्थ समाज और जिम्मेदार तंत्र न तो आपत्तिजनक सामग्री के प्रसार की इजाजत दे सकता है और न उसके निर्माण को प्रोत्साहन। मगर असल जिम्मेदारी तो यूट्यूब जैसे मंचों का उपयोग करने वाले उपभोक्ता की बनती है कि वे सामग्री निर्माण में विवेक का उपयोग करना सीखें। जब तक इस जिम्मेदारी का बोध पैदा नहीं होता, यूट्यूब जैसे मंच संचालित करने वालों से सतर्कता की अपेक्षा बनी रहेगी। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

जंग में मासूमों की हत्या से दुनिया को क्या हुआ हासिल?

इजरायल और हमास के बीच जारी जंग का हासिल क्या रहा है, यह दुनिया देख और समझ रही है। खासतौर पर इस युद्ध में जिस तरह बच्चों को भी हमले का शिकार बनाया गया, हजारों बच्चे मारे जा चुके हैं और रोजाना सैकड़ों युद्ध की चपेट में आ रहे हैं, वह युद्ध के बर्बर चेहरे को ही दर्शाता है। हमले का निशाना बनकर जान गंवाने वाले बच्चों के अलावा ऐसे तमाम मासूम हैं, जिन पर जंग के त्रासद हालात और हमले के तौर-तरीकों का भयावह मनोवैज्ञानिक प्रभाव पड़ रहा है। गौरतलब है कि अंतरराष्ट्रीय चिकित्सकों की एक टीम हाल ही में जब गाजा पहुंची तो वहां युद्ध का व्यापक असर बच्चों पर देखकर स्तब्ध रह गई। ऐसे तमाम बच्चे थे, जो हमले में बुरी तरह घायल हो गए या जिनकी जान चली गई। ऐसे बच्चों की तकलीफ का अंदाजा नहीं लगाया जा सकता जो खुद घायल हो गए और युद्ध में मारे गए अपने माता-पिता को रोते-तड़पते हुए खोज रहे हैं या जिनकी मानसिक स्थिति बुरी तरह प्रभावित हुई है। सवाल है कि हमास के हमले के बहाने इजराइल ने जवाब के तौर पर जिस जंग की शुरूआत की थी, उसका मकसद क्या था? उसके हमले में जितने हमास के आतंकी मारे गए, उनके मुकाबले कितने आम नागरिकों की जान जा चुकी है? एक आंकड़े के मुताबिक इजराइल के हमले में अब तक बारह हजार से ज्यादा बच्चों की जान जा चुकी है। अपने कथित जवाबी हमले के दौरान इजराइल ने बुनियादी मानवीय नैतिकता की तो दूर, युद्ध से संबंधित अंतरराष्ट्रीय कानूनों तक का ध्यान रखना जरूरी नहीं समझा। यहां तक कि युद्ध से बचने के लिए लोगों के पनाह लेने वाली जगहों और अस्पतालों तक पर बमबारी की गई। अब इस युद्ध के शिकार बच्चों पर पड़ने वाले प्रभावों के बारे में जैसी खबरें आ रही हैं, वे बताती हैं कि हमास को पर्दा बना कर इजराइल ने जो रुख अख्तियार किया हुआ है, उसके

शिकार निर्दोष लोग और मासूम हो रहे हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि सबसे शुरूआती दौर में हमास के हमले ने समूची दुनिया में उसके खिलाफ आक्रोश पैदा किया। मगर उसके बाद से इजराइल का जो रुख बना हुआ है, उसका बचाव करना खुद उसके मित्र देशों तक के लिए मुश्किल हो गया है!

रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ का बैंगकॉक, पटाया, फुकेट, कराबी विदेश यात्रा संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ द्वारा एक 45 क्लब सदस्यों की यात्रा बैंगकॉक, पटाया, फुकेट और कराबी विदेश यात्रा संपन्न हुई। यह विदेश यात्रा रोटरी क्लब के इलेक्ट अध्यक्ष अनिल जैन के सानिध्य में संपन्न की गई। सभी रोटेरियन मेंबर्स आनंद पूर्वक यात्रा कर जयपुर वापस आये। विदेश यात्रा में सभी यात्रियों ने जमकर आनंद लिया।

हंसमुख गांधी तीर्थ क्षेत्र कमेटी के राष्ट्रीय मंत्री मनोनीत

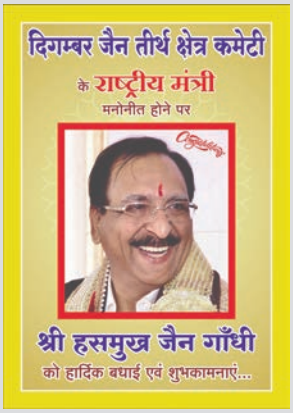

इंदौर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन समाज के गौरव शाली रत्न, अनेक संस्थाओं के वरिष्ठ पदाधिकारी फेडरेशन के पुर्व अध्यक्ष परम स्नेही हंसमुख गांधी को दिगंबर जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी के राष्ट्रीय मंत्री मनोनीत होने पर दिगंबर जैन समाज समाजिक सांसद के अध्यक्ष राजकुमार पाटोदी, सुशील पांड्या, मंत्री डॉ जैनेन्द्र जैन, महावीर ट्रस्ट के अध्यक्ष अमित कासलीवाल, फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश विनायका, राजेश जैन दद्दू, आजाद जैन, अशोक खासगीवाला, टीके वेद, राजीव जैन बंटी, प्रदीप बडजात्या, संजय कासलीवाल एवं परवार समाज महिला संगठन की अध्यक्ष श्रीमती मुक्ता जैन, सारिका जैन सीमा रावत आदि ने हंसमुख गांधी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

हमें पैदल चलना क्यों आवश्यक है ? आओ जानते हैं।

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान विधानसभा,जयपुर।

किसी व्यक्ति की हड्डियों और माँसपेशियों का ५०% दोनों पैरों में होता है। इसलिए पैदल चलिए। मानव शरीर की हड्डियों का सबसे बड़ा और सबसे मजबूत जोड़ पैरों में होता है। इसलिए प्रतिदिन १० हजार कदम पैदल चलें। मजबूत हड्डियाँ, मजबूत माँसपेशियाँ और लचकदार जोड़ों का ''लौह त्रिकोण'' पैरों में होता है, जो पूरे शरीर का बोझ ढोते हैं। मनुष्य जीवन में ७०% गतिविधियाँ और ऊर्जा का क्षय दोनों पैरों द्वारा किया जाता है। जवान मनुष्य की जाँघें इतनी मजबूत होती हैं कि ८०० किग्रा वजन की एक छोटी कार को भी उठा सकती हैं। शरीर के इंजन का केन्द्र पैर में होता है। दोनों पैरों में मिलाकर पूरे मानव शरीर की ५०% नाड़ियाँ होती हैं। उनमें होकर ५०% रक्त कोशिकाएँ और ५०% रक्त बहता है। यह रक्त प्रवाह का सबसे बड़ा नेटवर्क है। इसलिए प्रतिदिन पैदल चलिए। यदि पैर स्वस्थ होंगे, तो रक्त का प्रवाह सामान्य रहता है। इसलिए जिनके पैरों की माँसपेशियाँ मजबूत हैं, उनका हृदय भी मजबूत होगा। इसलिए पैदल चलिए। वृद्धावस्था पैरों से ऊपर की ओर शुरू होती है। उम्र बढ़ने पर मस्तिष्क से पैरों को आने वाले निर्देशों की शुद्धता और गति कम होती जाती है। युवाओं में ऐसा नहीं होता। इसलिए पैदल चलिए। उम्र बढ़ने पर हड्डियों की खाद कैल्शियम की मात्रा कम होती जाती है, जिससे हड्डियों में टूटन होने की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए पैदल चलिए। हड्डियों में टूटन होने पर अनेक शिकायतों का सिलसिला शुरू हो सकता है। इनमें विशेष रूप से घातक बीमारियाँ जैसे ब्रेन थॉम्बोसिस शामिल हैं। पैरों के व्यायाम करने में कभी देरी नहीं होती। ६० की उम्र के बाद भी ये व्यायाम शुरू किए जा सकते हैं। यद्यपि हमारे पैर समय के साथ वृद्ध होंगे, लेकिन इनका व्यायाम जीवन भर करना चाहिए। प्रतिदिन दस हजार पग पैदल चलिए। पैरों को लगातार मजबूत करके ही कोई वृद्ध होने की गति कम कर सकता है। इसलिए साल में ३६५ दिन पैदल चलिए। क्या आप जानते हैं कि वृद्ध रोगियों में १५% की मृत्यु जाँघ की हड्डी में टूटन होने पर एक साल के अन्दर हो जाती है? इसलिए बिना चूके प्रतिदिन पैदल चलिए। अपने पैरों के पर्याप्त व्यायाम के लिए और पैरों की माँसपेशियों को स्वस्थ रखने के लिए प्रतिदिन कम से कम ३०-४० मिनट पैदल चलिए। इन महत्वपूर्ण सूचनाओं को अपने ६० वर्ष से अधिक उम्र के मित्रों और रिश्तेदारों के साथ साझा कीजिए, क्योंकि प्रतिदिन सबकी उम्र बढ़ जाती है।

शिवदासपुरा में हुआ गुरुमां विज्ञाश्री माताजी का भव्य मंगल प्रवेश

जयपुर. शाबाश इंडिया। परम पूज्य भारत गौरव गणिनी आर्यिका 105 विज्ञाश्री माताजी ससंघ का शिवदासपुरा में भव्य मंगल प्रवेश सम्पन्न हुआ। माताजी ससंघ का मंगल विहार जयपुर की तरफ चल रहा है। प्रताप नगर से. 8 जयपुर समाज के पदाधिकारियों ने श्रीफल समर्पित कर मंगल प्रवेश एवं प्रवास हेतु निवेदन किया। तत्पश्चात प्रवचन सभा का आयोजन हुआ। मंगलाचरण करने का सौभाग्य मुकेश बनेठा वालों ने प्राप्त किया। विहार करवाने वाले भक्तों का स्वागत सत्कार किया गया। माताजी ने श्रावकों के कर्तव्य का उपदेश देते हुए कहा कि - श्रावक धर्म का पालन साधु के बिना नहीं हो सकता एवं साधु के धर्म के पालन में निमित्त श्रावक ही है। दोनों एक दूसरे के पूरक है। धर्म पलवाने का साधन नही है। धर्म का पालन करना और करवाना हमारा परम कर्तव्य है। प्रवचन सभा के पश्चात शिवदासपुरा में संत भवन का उद्घाटन पूज्य माताजी ससंघ सान्निध्य में हुआ। जिसमें विज्ञातीर्थ क्षेत्र समिति के कोषाध्यक्ष जितेन्द्र जैन मारोठ वाले मालवीय नगर जयपुर वाले भी शामिल हुए। तत्पश्चात गुरू भक्तों ने बड़े भक्ति भावों के साथ माताजी की आहारचर्या निर्विघ्न सम्पन्न करायी। माताजी संघ का रात्रि विश्राम शिवदासपुरा से 6 कि.मी दूर गिर्राज फार्म हाऊस में होगा। 1 अप्रैल 2024 को सुबह 8.30 बजे प्रताप नगर से. 8, जयपुर में भव्य मंगल प्रवेश होगा।

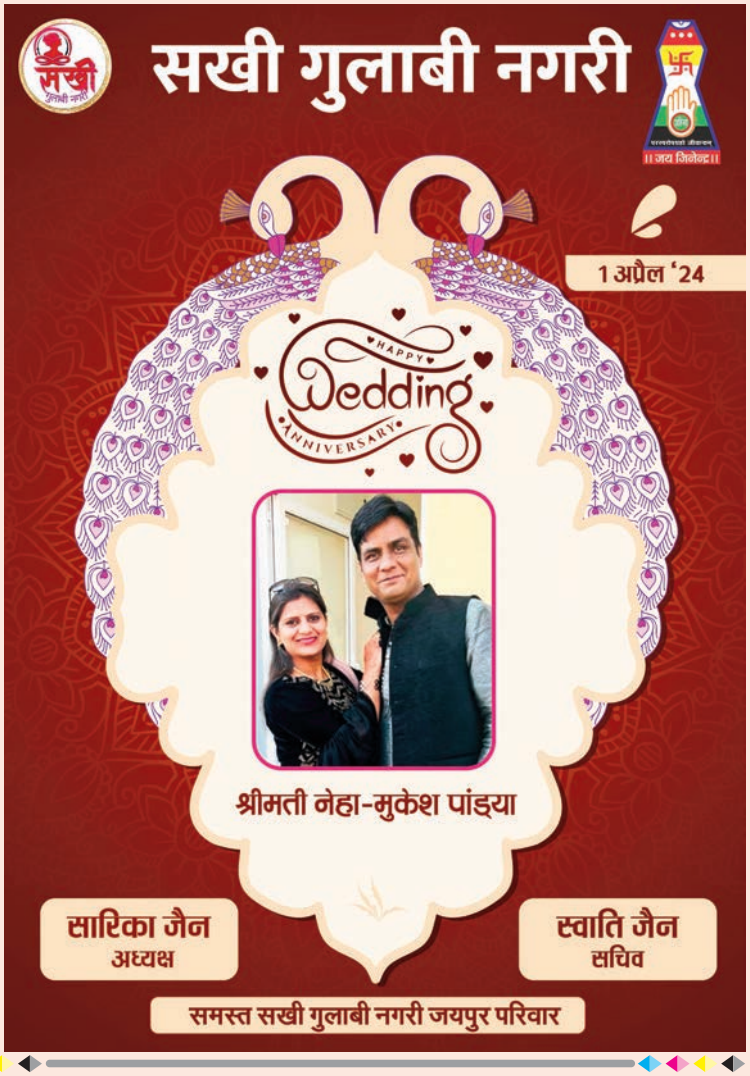

भक्तिमय शांति विधान मंडल पूजा का आयोजन

टोंक. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन नसिया टोंक में रविवार को प्रातःकाल शांति विधान मंडल का आयोजन किया गया। जिसमें प्रातःकाल अभिषेक शांतिधारा के पश्चात शांतिविधान मंडल की पूजा अर्चना की गई। सर्वप्रथम विधानमंडल सौधर्मे इन्द्र महावीर प्रसाद धर्मेंद्र कुमार जितेंद्र कुमार पासरोटियां परिवार की तरफ से स्थापित किया गया। तत्पश्चाप पंडित प्रमोद कुमार शास्त्री के सानिध्य में शांति विधान मंडल की पूजा अर्चना की गई। आदिनाथ भगवान, चंद्र प्रभु भगवान के अर्घ्य समर्पित किए गए। इस मौके पर इंद्र इंद्राणी द्वारा 108 अर्घ्य समर्पित किए गए। संगीतकार ललित जैन के मधुर भजन केसरिया केसरिया रंगमा रंगमा पारसनाथ जी की जयकारों से, विद्यासागर महराज जी के मार्मिक भजनों पर जमकर भक्ति नृत्य किया गया इस मौके पर समाज के कमल आड़रा, पप्पूमलारना ,मुकेश बरवास नरेंद्र छामुनिया कमल सर्राफ पवनकंटान, डॉक्टर चेतन जैन, लाल चंद फुलेता, ओम आड़रा, आदि समाज के लोग उपस्थित थे।

निःशुल्क हड्डी रोग जांच शिविर में 71 लाभन्वित

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया। महावीर इंटरनेशनल कुचामन सिटी के तत्वावधान में श्रीमती गुणमाला देवी कमलकुमार पाण्ड्या के सौजन्य से 17 वां निःशुल्क हड्डी, जाँच जॉइन्ट, लिगामेंट, घुटना रिप्लेसमेंट सर्जरी विशेषज्ञ डॉ. जितेश जैन (राजस्थान हॉस्पिटल, जयपुर) अरिहंत हेल्थ केयर सेन्टर राजकीय चिकित्सालय के पास आयोजित किया गया। शिविर शुभारंभ केलाश चन्द पांड्या, डॉ. जितेश जैन शिविर संयोजक वीर सुरेश कुमार गोड वीर संदीप पांडया वीर सम्पत बगड़िया वीर प्रदीप गंगवाल ने भगवान महावीर के सामने दीप प्रज्ज्वलित किया। सचिव वीर अजीत पहाड़िया ने बताया कि 38 एक्सरे व 35 रक्त सम्बंधित जांचें निःशुल्क की गई। शिविर में महेश्वरी समाज के मोहनप्रकाश मालपानी, जैन समाज के शान्ति लाल पहाड़िया, रेखा, सुरेश कुमार जैन सीकर, मदरसा इस्लामिया सोसायटी के सलीम मनियार ने अवलोकन कर संस्था के सेवा कार्यों की भुरी भुरी प्रशंसा की व साधुवाद किया। नरेश जैन के अनुसार शिविर में वीर नंदकिशोर बिडसर सीमा अशोक बज, महेश लड्ढा, राजेश अग्रवाल, बोदु कुमावत नितेश चौधरी ने शिविर में सराहनीय सहयोग किया।

सन टू ह्यूमन फाउंडेशन का होली मिलन समारोह आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया। जीवन को प्रेम और आनंद के रंगों से भरने के लिये 31 मार्च 2024 को सन टू ह्यूमन फाउंडेशन के तत्वावधान में सेंट्रल पार्क, गेट न. 4, जयपुर में होली मिलन समारोह आयोजित हुआ। इसमें भाजपा जयपुर शहर सांसद प्रत्याशी मंजू शर्मा व मालवीय नगर विधायक कालीचरण सर्राफ, जयपुर शहर जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा अनुराधा माहेश्वरी, योग गुरू नरेन्द्र बैद, माहेश्वरी समाज के उपाध्यक्ष संजय माहेश्वरी (अमरीश), राम बाबू अग्रवाल, आदर्श नगर विधानसभा व्यापार प्रकोष्ठ संयोजक प्रमोद जैन भँवर, समाजसेविका मनीषा जैन, राजेश नागपाल सहित अन्य पदाधिकारी गण व कार्यकर्ता शामिल हुए।

स्टेपिंग स्टोन्स इंटरनेशनल स्कूल में मनाया वार्षिक उत्सव 'आगाज'

वार्षिकोत्सव में प्रतिभाओं को किया सम्मानित

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद। स्थानीय स्टेपिंग स्टोन्स इंटरनेशनल प्ले स्कूल में वार्षिक उत्सव 'आगाज' एवं पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान स्कूल के नन्हें मुन्ने बच्चों ने शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर अतिथियों, स्कूल मैनेजमेंट कमेटी के सदस्यों, अभिभावकों व स्कूल स्टाफ को मंत्रमुग्ध कर दिया। ब्लॉक प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी ऋषि शर्मा कार्यक्रम के मुख्याथिति थे जबकि राजकीय वरिष्ठ कन्या माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य कृष्ण खीचड़ ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की और नगर पार्षद पूर्णिमा शर्मा व एडवोकेट वीरेन्द्र सिंह भादू ने विशिष्ठ अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शिरकत की। इस मौके पर स्कूल चेयरमैन ठाकुर गंगा सिंह,निदेशक डॉ सतबीर सिंह सूर्यवंशी, प्रिंसिपल पूनम कंवर, कुलदीप सिंह ढिल्लों,अशोक तनेजा, चंद्र सैनी सहित समस्त स्टाफ, समस्त अभिभावकगण व शहर के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरूआत अतिथिगण व स्कूल मैनेजेंट कमेटी के सदस्यों ने सरस्वती मां के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित करके की वहीं विद्यार्थियों ने गणेश वन्दना प्रस्तुत कर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आगाज किया। कार्यक्रम के दौरान अभिभावकों के लिए विभिन्न प्रकार के प्रतिस्पर्धात्मक खेलों का आयोजन किया। पुरस्कार वितरण समारोह में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विधार्थियों को मोमेंटो एवं सम्मान पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

प्रेमदास जी महाराज की 34वी पुण्यतिथि पर हुआ संत समागम

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद। कबीर पंथके स्वामी प्रेमदास जी महाराज की 34 वी पुण्यतिथि पर शहर के संत कबीर वृद्ध आश्रम में आयोजित दो दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम एवं संत समागम में देश भर से सैकड़ो संतों का आगमन हुआ। वहीं, हजारों श्रद्धालु श्रोता ने भी सेवा भाव से इस समागममे शिरकत की वृद्ध आश्रम के संचालक स्वामी जितवानंद जी की अध्यक्षता में आयोजित इस संत समागम के चलते पूरा शहर आध्यात्मिक भाव व भगवा रंग में रंगा प्रतीत हो रहा था वही संतवाणी सुनने के लिए हजारों संत कबीर वृद्ध आश्रम में पहुंच रहे थे। इसके अलावा आश्रम में विशाल भंडारे का आयोजन भी निरंतर दो दिनों तक जारी रहा। जिसमें संतो के अलावा हजारो श्रद्धालुओं ने भी भोजन ग्रहण किया, उन्होंने बताया कि संत समागम में हरिद्वार, राजस्थान, मध्य प्रदेश, वृंदावन, पंजाब, चेन्नई, हिमाचल, यूपी, बिहार, छत्तीसगढ़, गुजरात, बनारस आदि से संत पहुंचे स्वामी परमानंद जी ने बताया कि गुजरात से महाराज व हरिद्वार से महंत, बनारस से स्वामी आए हुए थे। उन्होंने बताया कि संतों का सानिध्य पाने के लिए क्षेत्र के हजारों श्रद्धालुओं के अलावा हैदराबाद, भावनगर ,नोएडा दिल्ली, बनारस, गुजरात, हरियाणा राजस्थान ,पंजाब से भी श्रद्धालुओं में सेवादारों ने यहां पहुंचकर अपनी सेवाएं दी। स्वामी जी द्वारा बताया कि इन सभीसंतो को आने जाने के खर्च के इलावा दक्षिना प्रदान कर सम्मानित किया गया ।दो दिवसीय संत समागम के समापन अवसर पर आज रविवार को सभी संतो का मान सम्मान कर उन्हें विदा किया गया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

वैशाली नगर पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का पांचवां दिन

केवलज्ञान कल्याणक महोत्सव की क्रियाओं में गूंजे जयकारे

जयपुर. शाबाश इंडिया

वैशाली नगर के नर्सरी सर्किल स्थित जानकी पैराडाइज में आचार्य श्री सुनील सागर जी महाराज के ससंघ के पावन सानिध्य में श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर के प्रथम तल पर नवनिर्मित जिनालय का श्रीमज्जिनेन्द्र महावीर जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव विश्व शांति महायज्ञ के पांचवें दिन रविवार को केवलज्ञान कल्याणक महोत्सव की क्रियाएं सम्पन्न हुई। इस दौरान केवलज्ञान कल्याणक की क्रियाओं को देख श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। इसी दिन शाम को प्रख्यात कवयत्री अनामिका जैन अंबर,हास्य कवि केसरदेव मारवाडी जैसे कवियों ने देर रात तक कविताओं से गुदगुदाया। आयोजन के बारे में जानकारी देते हुए पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव समिति के अध्यक्ष गजेंद्र बडजात्या ने बताया कि सुबह महोत्सव के तहत केवलज्ञान कल्याणक महोत्सव की क्रियाएं हुई,जिसके तहत जिनेंन्द्र दर्शन,ध्यान,प्रार्थना व शांति जाप्य के बाद शांति हवन के बाद दीक्षा कल्याणक विधान पूजा हुई। पूजा के दौरान गूंज रही रोम-रोम से निकले प्रभुवर नाम तुम्हारा... महावीरा से ध्यान लगाना... जैसे भजनों पर सौधर्म इन्द्र बने प्रवीण-प्रिया बड़जात्या व अन्य इन्द्राणी भाव विभोर होकर नाचे। इस अवसर पर हुई धर्म सभा में आचार्यश्री सुनील सागर जी महाराज ने कहा कि श्रावकों को कर्तव्य दान और पूजा करने तथा जीवन में कर्तव्य पथ पर आगे बढ़ने का मार्ग बताया। श्रावक की भूमिका में आचार्य ने षट आवश्यक कर्तव्य पालन की प्रेरणा दी है। देव पूजा, स्वाध्याय, संयम ताप, अनावश्यक कर्तव्य के द्वारा श्रावक संचित पाप कर्मो का छय कर सकता है। आप विचार करें कि क्या हम इन आवश्यक कर्तव्यों का पालन करते हैं, अगर नहीं तो इस पंचकल्याणक प्रतिष्ठा में कोई अच्छे संकल्प करें तो आने की सार्थकता पूर्ण होगी ।इस मौके पर विधायक बालमुकुंदाचार्य महाराजश्री ने आचार्यश्री से आशीर्वाद लिया। महोत्सव समिति के महामंत्री राजेश पाटनी ने बताया कि प्रवचन के बाद महामुनिराज वर्धमान की आहारचर्या हुई। इस अवसर पर प्रथम आहार देने का सौभाग्य समाजश्रेष्ठी विषाल-श्वेता जैन लाड़नू वाले वैशाली नगर वालों को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर उपस्थित श्रावक-श्राविकाओं ने भक्तिभाव से महामुनिराज वर्धमान को आहार दिया। आहारचर्या के इस नयनाभिराम दृष्य को देख श्रद्धालु भाव विभोर हो उठे। इसीदिन दोपहर में

ज्ञानकल्याणक की अभ्यंतर क्रियाएं, सूरिमंत्र, ज्ञानकल्याणक पट्टोदघाटन,46 दीपकों से महाआरती ,के समवशरण के लिए विहार,गणधर स्थापना,दिव्य देशना दी गई। इस अवसर पर देशना देते हुए आचार्यश्री ने कहा कि जब भगवान का समवशरण सजता है चारो ओर शांति छा जाती है,इस समोशरण में तीन गति के जीव दिव्य देशना सुनने आते है,इस समय का प्रसंग मन में आते ही मन में परम शांति खिल जाती है। समोशरण तपस्या काल में मुनि राज तीर्थंकर विविध तप तपते हुए अपनी आत्म विशुद्धता को बढ़ाते जाते हैं। भगवान को केवल ज्ञान होते ही तीनों लोगों में हलचल मच जाती है। कलप्रवासी देवों के यहा घंटा बजने लगते हैं। ज्योतिषी देवों के यहा सिंहनाद, व्यंतर देवो के यहा नगाडों की ध्वनि, भवन प्रवासी देवों के भवनों में शखनाद होने लगता है। वही इंद्र अनेक देवों के साथ भगवान की केवल ज्ञान की पूजा करने के लिए निकल पड़ते हैं। समोशरण की रचना में चारों दिशा में भगवान को विराजमान कर मुनि राज द्वारा प्रवचन कराए जाते हैं। ।विश्व में पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने के लिए भगवान महावीर के सिद्धांत आज 2600 वर्ष बाद भी कारगर हैं। उन्हें आचरण में लाना जरूरी है। इसीदिन शाम को रात्रि 8बजे कवि सम्मेलन हुआ। इस मौके पर प्रख्यात कवयत्री अनामिका जैन अंबर,हास्य कवि केसरदेव मारवाड़ी,हास्य कवि चेतन अर्चित,नितीष राजपूत व सौरभ सुमन अपनी कविताएं सुनाकर श्रद्धालुओं को भाव विभोर कर दिया। महोत्सव के मुख्य संयोजक विकास बड़जात्या ने बताया कि महोत्सव के अंतिम दिन सुबह 6बजे मोक्ष कल्याणक की क्रियाएं शुरू हो जाएगी,जिसके तहत सुबह 6.30 बजे ज्ञानकल्याणक पूजा,श्री जिनेन्द्र का पदम सरोवर पावपुर से आगमन,अग्नि कुमार द्वारा अंतिम विधि, अष्टगुण स्थापना,मोक्ष कल्याणक पूजा, निर्वाण लड्डू, विश्व शांति महायज्ञ,शांतिपाठ, आचार्यश्री के प्रवचन होंगे। इसके बाद सुबह 10.30 बजे श्री मंडप से मंदिर तक शोभायात्रा ,जिनालयों की वेदियों में श्रीजी विराजमान, शिखर पर नवीन ध्वजारोहण, आरती, क्षमायाचना के साथ समापन होगा।

सूर्य नगर में गूंजे आदिनाथ के जयकारे

भगवान ऋषभदेव जन्म भूमि अयोध्या तीर्थ प्रभावना रथ का सूर्य नगर में हुआ भव्य स्वागत

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन धर्म के पांच जैन तीर्थंकरों की जन्म भूमि शाश्वत तीर्थ अयोध्या के विकास एवं पूरे देश में जन जागरण के लिए प्रवर्तन कर रहे भगवान ऋषभदेव जन्मभूमि अयोध्या तीर्थ प्रभावना रथ का रविवार को तारों की कूट पर सूर्य नगर स्थित श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में पदार्पण हुआ ।इस मौके पर मंदिर समिति अध्यक्ष नवीन जैन एवं मंत्री धनेश सेठी के नेतृत्व में सूर्य नगर स्थित श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर पर प्रातः धूमधाम से रथ की अगवानी की गई ।इस मौके पर धर्म सभा का आयोजन किया जिसमें मुख्य पात्रों में नाभिराय - मिथिलेश सोगानी सौधर्म इन्द्र, अरुण - सीमा बाकलीवाल कुबेर इन्द्र,रमेश - विनिता लुहाडिया ने पालना झुलाई तथा विमल - स्नेहलता छाबड़ा ने आरती का पुण्यार्जन किया। इस मौके पर मंदिर समिति की ओर से पं. अकलंक जैन शास्त्री एवं राजस्थान प्रान्त के संयोजक उदयभान जैन का तिलक माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। धर्म सभा का संचालन विनोद जैन कोटखावदा ने किया। तत्पश्चात रथ पर भगवान ऋषभदेव के समक्ष सौधर्म इन्द्र नाभिराय - मिथिलेश सोगानी ने दीप प्रज्जवलन किया। सभी इन्द्र - इन्द्राणियो एवं महिला मण्डल की सदस्याओं ने आरती उतारी तथा भगवान का पालना झुलाया । प्रतिष्ठाचार्य अकलंक जैन शास्त्री द्वारा रथ परावर्तन की विस्तृत जानकारी दी गई । कार्यक्रम संयोजक विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक जैन धर्म के प्रवर्तक एवं प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव, दूसरे तीर्थंकर भगवान अजितनाथ, चौथे तीर्थंकर भगवान अभिनन्दन नाथ, पांचवें तीर्थंकर भगवान सुमति नाथ एवं चौदहवें तीर्थंकर भगवान अनन्त नाथ सहित पांच तीर्थंकरों की जन्म भूमि शाश्वत तीर्थ अयोध्या के विकास एवं पूरे देश में जन जागरण के लिए प्रवर्तन कर रहे इस अयोध्या तीर्थ प्रभावना रथ को जैन धर्म की सर्वोच्च गणिनी प्रमुख आर्यिका ज्ञान मति माताजी द्वारा अयोध्या से 11 जुलाई 2023 को रवाना किया गया है।जो पूरे देश में अयोध्या तीर्थ के विकास के लिए जन जागरण कर रहा है। अयोध्या के विकास एवं जानकारी के लिए संपूर्ण दिगंबर जैन समाज से तन मन धन से सहयोग की अपेक्षा रखी गई है।रथ की अगवानी एवं धर्म सभा के बाद गाजो बाजों के साथ नाचते गाते भगवान आदिनाथ के जयकारों के साथ श्रद्धालुओं द्वारा नगर भ्रमण करवाया गया जिसमें सूर्य नगर कॉलोनी के विभिन्न मार्गों में धर्म प्रभावना रथ को घुमाया गया ' मार्ग में श्रद्धालुओं द्वारा आरती की गई। ऋषभ मार्ग के कोटखावदा हाऊस होते हुए रथ वापस मंदिर जी पहुचा जहां समापन हुआ ।अध्यक्ष नवीन जैन, मंत्री धनेश सेठी एवं संयोजक विनोद जैन कोटखावदा ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर चूलगिरी के संरक्षक प्रवीण चंद्र छाबड़ा सहित बड़ी संख्या में जैन बन्धु शामिल हुए ।

जैन धर्म के प्रवर्तक व प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ का जन्म व तप कल्याणक महोत्सव (जन्म जयन्ती) बुधवार को

शोभायात्रा-भक्तामर स्तोत्र अनुष्ठान-पूजा अर्चना-महाआरती सहित शहर के 250 से अधिक दिगम्बर जैन मंदिरों में होंगे विविध आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन धर्म के प्रवर्तक व प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ (ऋषभदेव) का जन्म व तप कल्याणक महोत्सव बुधवार 3 अप्रैल को भक्ति भाव से मनाया जावेगा। इस मौके पर शहर के दिगम्बर जैन मंदिरों में विशेष पूजा अर्चना, मण्डल विधान पूजा सहित शोभायात्रा, भक्तामर स्तोत्र अनुष्ठान, महाआरती के आयोजन होंगे। वहीं राजस्थान जैन सभा जयपुर के तत्वावधान में भट्टारक जी की नसियां में सायंकाल 48 मण्डलीय भक्तामर स्तोत्र दीप महाअर्चना अनुष्ठान होगा। राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि प्रातः मंदिरों में भगवान आदिनाथ के अभिषेक, शांतिधारा के बाद पूजा अर्चना की जावेगी। पूजा के दौरान जन्म व तप कल्याणक अर्घ्य चढ़ाये जाएंगे। कई मंदिरों में प्रातः पालकी यात्रा अथवा शोभायात्रा निकाली जाएगी। दोपहर में मण्डल पर आदिनाथ पूजा विधान या भक्तामर स्तोत्र पूजा विधान किया जाएगा।

राजस्थान जैन सभा द्वारा होगा 48 मण्डलीय भक्तामर स्तोत्र दीप महाअर्चना अनुष्ठान

बुधवार 3 अप्रैल को सायंकाल राजस्थान जैन सभा जयपुर के तत्वावधान में अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन एवं महामंत्री मनीष बैद के नेतृत्व में

भट्टारक जी की नसियां में महाआरती के बाद 48 मण्डलीय भक्तामर स्तोत्र दीप महाअर्चना अनुष्ठान का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन के लिए सभा के मंत्री विनोद जैन कोटखावदा को मुख्य समन्वयक, कार्यकारिणी सदस्य सुभाष बज एवं जिनेन्द्र जैन जीतू को मुख्य संयोजक बनाया गया है। इस मौके पर आयोजित होने वाले भक्तामर स्तोत्र दीप महाअर्चना अनुष्ठान में समाजश्रेष्ठी कपूर चन्द महावीर कसेरा मुख्य मण्डल पर शास्त्र विराजमान करेंगे। समाजश्रेष्ठी शिखर चन्द सुप्रिया जैन सारसोप, निर्मल - कमलेश पाटोदी धुवां वाले, प्रमोद - ज्योति बावडी वाले एवं अशोक - विमला पापडीवाल चतुष्कोणीय दीप प्रज्जवलन कर्ता होगें । संगीतकार नरेन्द्र जैन एण्ड पार्टी अपनी प्रस्तुति देगे। शहर के कई दिगम्बर जैन मंदिरों में जयन्ती की पूर्व संध्या पर भी महाआरती, भक्तामर स्तोत्र पाठ, भक्ति संध्या के आयोजन किये जाएंगे।

चंग की थाप पर हुई फाग की धमाल, मस्तीभरे माहौल में छाए होली के रंग

मरूधरा माहेश्वरी संस्थान के फाग महोत्सव में दिखी शेखावटी संस्कृति की झलक, भीलवाड़ा में पहली बार राजलदेसर की 18 सदस्यीय गौरबंद टीम ने दी दिलकश प्रस्तुति

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। राजस्थान दिवस पर विविधता में एकता का संदेश देने वाला इससे बेहतर नजारा क्या हो सकता था कि मेवाड़ी धरा पर शेखावटी की एतिहासिक सामाजिक विरासत व गौरवमय संस्कृति की झलक ने लोगों का मन जीत लिया। कोई चंग की थाप पर धमाल के साथ मस्ती भरे होली के रंग लोगों को झूमने के लिए मजबूर करते रहे। ये नजारा शनिवार रात शहर के हरणी महादेव रोड स्थित रामेश्वरम में मरूधरा माहेश्वरी संस्थान के तत्वावधान में आयोजित फाग महोत्सव में दिखा। शाम 6 से रात करीब 10 बजे तक चले आयोजन में राजलदेसर की 19 सदस्यीय गौरबंद टीम ने भीलवाड़ा शहर में पहली बार चंग पर धमाल व होली के साथ वीणा कैसेट की तर्ज पर राजस्थानी गीतों पर नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियां देकर गौरवशाली राजस्थानी परम्परा व संस्कृति की एक झलक प्रस्तुत की। बांसुरीवादन की मनमोहक प्रस्तुति भी दिल को जीत लेने वाली रही। युवा पीढी को अपनी संस्कृति के साथ जोड़े रखने एवं राजस्थानी गौरवमय परम्पराओं से अवगम कराने के उद्देश्य से आयोजित फाग महोत्सव में महिलाएं फाग की पोशाक तथा पुरूषा सिर पर साफे के साथ सफेद पोशाक धारण किए हुए थे। रामेश्वरम में तैयार विशाल मंच पर महोत्सव के दौरान गुलाब,गेंदा व हजारा आदि फूलों से पुष्पवर्षा हुई तो होली का मस्तीभरा माहौल बन गया। आयोजन के विशेष आकर्षण के रूप में बांसुरी,नगाड़े के साथ चंग बजाने के दिलकश अंदाज पर भक्त खुद को थिरकने से नहीं रोक पाई।

आर्ट ऑफ लिविंग संगठन जयपुर द्वारा मतदान जागरूकता अभियान का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर आर्ट ऑफ लिविंग संगठन जयपुर के समर्पित स्वयंसेवकों ने 31 मार्च को सिटी पार्क में एक भव्य मतदान जागरूकता अभियान चलाया जो शाम 5.30 बजे से शुरू होकर शाम 6.30 बजे तक चला। इस कार्यक्रम में ''डायनेमिज्म फॉर सेल्फ एंड नेशन'' (डी.एस.एन.) के प्रतिभागियों ने नुक्कड़ नाटक और फ्लैश मॉब के माध्यम से प्रत्येक वोट के महत्व को बताया और नागरिकों को मतदान करने के लिए प्रेरित किया। यह अभियान संगठन के उत्साही युवाओं द्वारा एक पहल के रूप में शुरू किया गया था, जिसमें यह संदेश फैलाया गया था कि मतदान देश की बेहतर भविष्य के लिए बहुत आवश्यक है। इस कार्यक्रम ने शहरवासियों को आकर्षित किया जिसमें 500 से अधिक उपस्थित नागरिकों ने मतदान करने की शपथ ली । आर्ट ऑफ लिविंग के वरिष्ठ प्रशिक्षक महेश शर्मा ने मीडिया को बताया कि राज्य के 50 से अधिक नागरिकों ने डी.एस.एन. कार्यक्रम में भाग लिया। यह कार्यक्रम उनकी आंतरिक क्षमता को अनुकूलित करने और उनकी ऊर्जा को राष्ट्र के कल्याण की दिशा में लगाने के लिए है और इस कार्यक्रम में स्वयंसेवकों ने जयपुर के नागरिकों को हमारे राष्ट्र के बेहतर भविष्य के लिए मतदान की अपनी नागरिक जिम्मेदारी को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति द्वारा एक दिन में चार रक्तदान शिविर लगाए

महावीर जयंती तक लगभग 30 से 35 शिविर आयोजित कर 2550 यूनिट रक्त एकत्र करने का लक्ष्य

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन के तत्वावधान में हुए आयोजन

अभी तक लगाये गए 7 शिविरो में लगभग 305 यूनिट रक्त एकत्र किया गया

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति द्वारा दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन के तत्वावधान में आदिनाथ जयंती से महावीर जयंती तक मानव सेवार्थ एक अभियान के अंतर्गत 31मार्च को एक साथ चार रक्तदान शिविर विभिन्न संस्थाओं के साथ विभिन्न स्थानों पर लगाये गये। मुख्य समन्वयक राकेश - समता गोदिका ने बताया कि सभी शिविरो में मिलाकर 175 यूनिट रक्त एकत्र किया गया। रीजन अध्यक्ष राजेश- सीमा बडजात्या के अनुसार सभी रक्तदाताओं को यातायात अवेयरनेस कार्यक्रम के अंतर्गत एक एक आई एस आई मार्का हेलमेट भेट किया गया। सन्मति अध्यक्ष मनीष - शोभना लोंग्या व सचिव राजेश - रानी पाटनी ने बताया कि ग्रुप द्वारा भगवान महावीर जयंती तक लगभग 30 से 35 शिविर आयोजित कर 2550यूनिट रक्त एकत्र करने का लक्ष्य रखा गया हैं।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप गुलाबीनगर द्वारा शुभम केअर हॉस्पिटल में ब्लड डोनेशन केम्प

जयपुर. शाबाश इंडिया

31मार्च 2024 को दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन व दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति के तत्वावधान में दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप गुलाबीनगर द्वारा शुभम केअर हॉस्पिटल 201 गिरीराज नगर मुहाना रोड में ब्लड डोनेशन कैम्प आयोजित किया गया। रीजन अध्यक्ष राजेश बड़जात्या, सन्मति ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष राकेश गोदिका, रीजन के कार्याध्यक्ष सुनील बज, डॉ शैलेष जैन, डॉ सपना, गुलाबीनगर ग्रुप की अध्यक्षा सुशीला बड़जात्या, सचिव महावीर पांड्या ने दीप प्रज्वल्लन कर एवं णमोकार मंत्र के जाप के साथ ब्लड कैम्प का शुभारंभ किया। ब्लड डोनेशन कैम्प के संयोजक कैलाश शशि पाटनी, देवेंद्र चित्रा जैन थे ' ब्लड कैम्प में फेडरेशन के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष सुरेन्द्र पांड्या व राष्ट्रीय निर्देशक पदम भावसा, श्रीमती मदुर्ला पांड्या, निर्मल सेठी,सुनील मीना काला, सुमन बज, मुन्ना पांड्या, रमेश गुणमाला गंगवाल, प्रकाश कांता पाटनी व विनोद बड़जात्या भी उपस्थित थे। ग्रुप अध्यक्षा श्रीमती सुशीला विनोद बड़जात्या ने बताया सुमन ब्लड सेंटर के सहयोग से ब्लड डोनेशन कैम्प में 79 यूनिट

ब्लड एकत्रित की गई। ग्रुप सचिव महावीर पांड्या ने बताया कि सभी ब्लड डोनेटरो को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। अध्यक्षा सुशीला विनोद बड़जात्या ने शुभम केअर हॉस्पिटल के डॉ शैलेष जैन डॉ सपना जैन हॉस्पिटल के स्टाफ एवं पधारे हुए ग्रुप के दंपति सदस्यों को आज के सफल कार्यक्रम के लिये धन्यवाद दिया।

लांगड़ियावास में रक्तदान शिविर आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया। सन्मति ग्रुप सयुक्त सचिव प्रदीप प्राची जैन बाकलीवाल द्वारा लांगड़ियावास गांव में बाकलीवाल परिवार के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। प्रदीप बाकलीवाल के अनुसार यह उनके पैतृक गांव में उनके दादाजी स्वर्गीय गुलाब चंद जी बाकलीवाल की स्मृति में परिवार द्वारा मानव सेवार्थ किया गया एक प्रयास था , जिसकी सभी परिवार जनों व ग्राम वासियों ने प्रशंसा की।

जैन सोशल ग्रुप महानगर का रक्तदान शिविर का आयोजन

भगवान आदिनाथ के समक्ष भक्तामर अनुष्ठान का भी किया आयोजन। सिल्वर जुबली वर्ष का शानदार आगाज

जयपुर. शाबाश इंडिया। सांगानेर स्थित अतिशय क्षेत्र श्री दिगंबर जैन मंदिर संघी जी में जैन सोशल ग्रूप महानगर अपने आरंभ हुए सिल्वर जुबली वर्ष के प्रारंभ में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें दुबई जैन समाज के अध्यक्ष पदम पाटनी, जैन युवा महासभा के महामंत्री विनोद कोटखवादा, पारस जैन, एडवोकेट महावीर सुरेंद्र जैन, पत्रकार अमन जैन, श्रमण संस्कृति संस्थान के सचिव सुरेश कासलीवाल, दिगंबर जैन मंदिर संघी जी के अध्यक्ष महावीर बज , मंत्री नरेंद्र पण्ड्या, प्रभारी नरेंद्र बज, दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर के अध्यक्ष राजेश बडजात्या , दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति के संस्थापक अध्यक्ष राकेश गोदिका व श्री श्याम हरि बिल्ड होम्स प्राईवेट लिमिटेड के महेंद्र कुमावत, मुकेश गुर्जर, घनश्याम कुमावत, रमेश बागड़ा आदि अतिथियों का सम्मान किया गया। ग्रुप अध्यक्ष संजय जैन छाबड़ा ने बताया कि इस शिविर में 56 यूनिट रक्तदान हुआ। जिसमें बाहर से आये दर्शनार्थियों ने भी बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। सचिव सुनील गंगवाल ने बताया कि सामाजिक कार्यक्रम के साथ ही रात्रि को भगवान आदिनाथ के समक्ष 48 दीपक प्रज्वलित कर भक्तामर अनुष्ठान का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों का कुशल संयोजन पंकज-विनीता जैन, अजय -मोना जैन, अभय -अनीता बोहरा किया है। कार्यक्रम में संस्थापक अध्यक्ष प्रदीप जैन, रवि जैन, वीरेंद्र जैन, दीपेश छाबड़ा, सुशील कासलीवाल, नरेंद्र -स्वाति जैन, अमिता जैन, विनीत जैन व काफी संख्या में दंपत्ति सदस्यों के साथ स्थानीय धर्मावलम्बियों ने सहभागिता निभाई ।

जैन सोशल ग्रुप राजधानी द्वारा रक्तदान शिविर एवम निशुल्क जांच शिविर का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोशल ग्रुप राजधानी ने आज महाप्रज्ञ स्कूल के प्रांगण मे ब्लड डोनेशन कैंप व निशुल्क जांच शिविर लगाया गया । अध्यक्ष प्रकाश - लीला अजमेरा ने बताया कि शिविर का शुभारम्भ श्रीमती रेखा, अंकित, नेहा दुर्ग एवं श्री पारसनाथ दिगंबर जैन महिला मंडल की मंत्री श्रीमती प्रेमलता गोधा ने दीप प्रज्वलित कर किया। मंत्री पवन - रीटा पाटनी एवम सयोजक दिलीप - नमिता टकसाली ने बताया कि प्रकाश पाटनी शिलांग वालो के सहयोग से ग्रुप द्वारा निशुल्क जांच शिविर आयोजित किया। संस्थापक अध्यक्ष सुनील आरती पहाड़िया ने बताया कि ग्रुप सदस्य भामाशाह धर्म रूचि पाटनी ने रक्तदान शिविर आयोजन में सहयोग किया । शिविर में दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन अध्यक्ष राजेश बडजात्या तथा सन्मति ग्रुप संस्थापक अध्यक्ष व मुख्य समन्वयक राकेश गोदिका ने उपस्थित होकर आयोजको को शिविर आयोजित करने के लिए धन्यवाद दिया।